सत्यमेव जयते

डी आर नेगी, भा.र.ले.से.
प्रधान नियंत्रक
D.R. NEGI, IDAS
PRINCIPAL CONTROLLER

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
कार्यालय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (उ. क.)
नरवाल पाईं, सतवारी, जम्मू (जम्मू व कश्मीर)
GOVERNMENT OF INDIA, MINISTRY OF DEFENCE
PRINCIPAL CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS (NC)
NARWAL PAIN, SATWARI, JAMMU (J&K) 180003

संदेश

*****

14 सितम्बर, हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर उत्तरी कमान संगठन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवारजनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

कश्मीर से **कन्याकुमारी** तथा **गुजरात** से **अरुणाचल प्रदेश** तक फैले **भारतवर्ष** के अधिकांश: भू-भाग पर यदि कोई भाषा **भारतवासियों** द्वारा सबसे ज्यादा समझी या बोली जाती है तो वो हिंदी ही है । हिंदी हमारी अपनी भाषा है और भाषा किसी भी देश के मान सम्मान एवं स्वाभिमान से जुडी होती है। हिंदी भाषा एक कड़ी के रुप में सारे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है और संप्रभुता की सूचक है । इसी आधार पर आज ही के दिन सन् **1949** में **हिंदी** को देश की राजभाषा के रुप में स्वीकार किया गया था, इसीलिए हर वर्ष **14 सितम्बर** को हम **हिंदी दिवस** के रुप में मनाते हैं । राजभाषा नीति का मुख्य उद्देशय सरकारी कामकाज मूल रुप से प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति से हिंदी मे करना है । हमारे संगठन का कार्यक्षेत्र जम्मू व कश्मीर है जहाँ की स्थानीय भाषाएँ डोगरी, कश्मीरी तथा लद्दाखी है, परन्तु पूरे राज्य में **हिंदी** भली-भांति समझी व बोली जाती है । हमें स्थानीय भाषाओं का सम्मान करते हुए ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में ही करना चाहिए जिससे राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़े तथा राजभाषा नीति का सही मायनों में कार्यान्वयन संभव हो सके ।

राजभाषा हिंदी संबंधी कार्यों में निरंतर प्रगति होती आ रही है, फिर भी यह कैसी विडम्बना है कि अपने ही देश में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए आज भी पखवाडों और प्रोत्साहनों का सहारा लेना पड़ रहा है जब कि **विश्वभर** के अनेकों **विश्वविद्यालयों** में विदेशी नागरिक हिंदी भाषा को स्वेच्छा से अपना रहे हैं । ऐसे में हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि **हिंदी** का अपने कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग कर वास्तव में इसे **राजभाषा** का दर्जा दिलाने में सकारात्मक भावना, उत्साह व मन से अपना रचनात्मक योगदान दें। संसदीय राजभाषा समिति भी इसी बात पर बल देती है ।

मैं आप सब का आह्वान करता हूँ कि इस हिंदी पखवाड़ा के कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर उत्साहपूर्वक भाग लें व सारे आयोजनों को सफल बनाने में भरपूर योगदान दें ।

आईए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपने सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में मिल - जुल कर कार्य करेंगे और अपने इस नैतिक एवं संवैधानिक कर्तव्य को पूर्ण रुप से निभाएंगे । यही राष्ट्र के प्रति हमारे राष्ट्रप्रेम का द्योतक होगा।

जय हिंद ।

(डी आर नेगी)
भा.र.ले.से.
रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक

दूरभाष का. / Phone Off.: 0191-2430050, (Army) 6911, Fax No.: 0191-2434984